ज्ञान दर्शन
समाचार बुलेटिन

सितम्बर, 2017 से दिसम्बर, 2017 तक
(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय
आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail: gyanmv@gmail.com
Mobile: +91 9219419405
Website: www.gyanmahavidhyalaya.com

Gyan Parivar

1. विभागीय गतिविधियाँ :

बी. एड. विभाग में सृजनात्मक कार्यशाला का आयोजन : 1 सितम्बर, 2017 को बदरपुर, नयी दिल्ली निवासी श्री सेवालाल क्रिएटिव आर्टिस्ट ने महाविद्यालय में आकर बी.एड. के विद्यार्थियों को कागज के टुकड़ों पर विभिन्न प्रकार के फूल व अन्य आकृतियाँ एवं रंगोली बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने प्रायोगिक रूप से यह कला सीखी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य तथा बी.एड. विभाग के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। अन्त में प्राचार्य ने आर्टिस्ट महोदय का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का संयोजन कु. कविता चौधरी ने किया।

महिला प्रकोष्ठ द्वारा संवाद का आयोजन : 29 सित., 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में "महिला व्यक्तिगत स्वच्छता" विषय पर संवाद का आयोजन किया गया। संवाद में सभी संकायों की प्राध्यापिकाएं तथा छात्राओं ने भाग लिया। महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. आभा कृष्ण जौहरी ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता– विशेषकर मेन्सुरेशन चक्र के समय स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने दर्द की समस्या को योग से नियंत्रित करने की जानकारी के साथ आयरन, कैल्सियम व प्रोटीन आदि का उपयोग पर्याप्त मात्रा में करने की सलाह दी।

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) की छात्रा अंशिका, रौनक सैनी, तथा रिचा सिंह ने भी विषय से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ–साथ धनुआसन, उर्ष्टआसन व कपालभाति जैसे आसनों को अपनाने पर जोर दिया।

अनुक्रम

1. विभागीय गतिविधियाँ
   - बी.एड. विभाग में सृजनात्मक कार्यशाला का आयोजन
   - महिला प्रकोष्ठ द्वारा संवाद का आयोजन
   - महाविद्यालय में इग्नू (IGNOU) की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन
   - सेमिनार का आयोजन
   - बी.एड. (सत्र: 2017–19) के विद्यार्थियों का शैक्षिक अवलोकन कार्य
   - विजीलेन्स अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन
   - पुरातन विद्यार्थी सम्मान समारोह – 2017
   - ज्ञान महोत्सव का आयोजन
2. रोजगार संबंधी कार्यक्रम
   - कैरियर काउन्सलिंग का आयोजन
   - इन्डस्ट्रियल विजिट का आयोजन
3. अतिथि व्याख्यान
   - जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान
   - वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान
4. शैक्षिक भ्रमण
   - बी. एड. एवं बी.टी.सी. विभाग का शैक्षिक भ्रमण
   - वाणिज्य संकाय का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण
   - विज्ञान संकाय का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण
   - बी. एड. विभाग का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण
   - डी. एल. एड. (बी.टी.सी.) का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण
   - महाविद्यालय के प्राध्यापक संसद भवन गए
5. विभिन्न दिवसों का आयोजन
   - शिक्षक दिवस
   - महाविद्यालय में संस्थापक दिवस समारोह का आयोजन
   - हिन्दी दिवस
   - गांधी एवं शास्त्री जयन्ती का आयोजन
6. एन.एस.एस. व सामाजिक सरोकार समिति सम्बंधी कार्यक्रम
   - वन संरक्षण पर आयोजित गोष्ठी में सहभाग
   - ज्ञान ज्योति कार्यक्रम
   - रक्तदान शिविर
   - मतदाता जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला
   - सिलाई मशीन भेंट की
   - 'पहल' कार्यक्रम में गर्म कपड़ों का वितरण
   - एन.एस.एस. का एक दिवसीय शिविर
   - गोद लिए 14 गाँवों के जरूरतमंद लोगों को कम्बल भेंट

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमेन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ० गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। भीड़िया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ० वी. के. वर्मा द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निदेशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

☛ **महाविद्यालय में इग्नू (IGNOU) की इंडक्शन मीटिंग का आयोजन :** 4 अक्टू., 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मलिक राशिद फैजल ने महाविद्यालय स्थित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र में सी.आई.जी., पी.जी.डी.आर.डी., सी.टी.ई., डी.बी.पी. ओ.एफ.ए., एम.ए.आर.डी., सी.आर.डी. व सी.ई.एस. कार्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों, केन्द्र के समन्वयक व काउन्सलर्स के साथ इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया।

डॉ. फैजल ने कहा कि इग्नू केन्द्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है, तथा नामांकन की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इच्छुक सभी व्यक्तियों को दूरस्थ शिक्षा से उच्च शिक्षा देने हेतु इग्नू प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को दी गई पाठ्य सामग्री समझकर पढ़ने तथा एसाइनमेंट लिखने के तरीके बताये। डॉ. फैजल ने बताया कि विश्व के सबसे बड़े विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित इग्नू दूरस्थ शिक्षा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पहुँच के साथ उच्च गुणवत्ता के 250 से अधिक शैक्षिक कार्यक्रम न्यूनतम खर्चे पर उपलब्ध कराता है। इग्नू 45 दिन में अपने सभी कोर्सों का परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर घोषित करता है तथा इसमें पढ़ रहे विद्यार्थी अपने आपको गौरवान्वित महसूस करते हैं। इग्नू के असिस्टेंट एक्जीक्यूटिव श्री सतेन्द्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि इग्नू के केन्द्र 50 से अधिक देशों में हैं। उन्होंने कहा कि एसाइनमेंट बहुत ही आवश्यक कम्पोनेन्ट है एवं "रीचिंग टू अनरीच्ड" कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की है। कार्यक्रम विशेष की परीक्षा इग्नू के सभी केन्द्रों पर एक साथ होती है। डॉ. फैजल ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर दिये। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय स्थित इग्नू का विशेष अध्ययन केन्द्र नामांकन की दृष्टि से लगातार प्रगति कर रहा है। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार इग्नू के कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। जुलाई 2017 में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों को पाठ्य सामग्री भी वितरित की गयी।

कार्यक्रम का संयोजन विशेष अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री आर.के. शर्मा ने किया। अन्त में उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने क्षेत्रीय निदेशक का आभार व्यक्त किया।

☛ **सेमिनार का आयोजन :** 28 अक्टू., 2017 को महाविद्यालय में **"सोशल मीडिया का विद्यार्थियों के जीवन पर प्रभाव"** विषय पर सेमिनार आयोजित की गयी, जिसमें बी.एड. (2017–19) के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। विचार विमर्श के दौरान विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया से विद्यार्थियों के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में बताया। बी.एड. विभाग की अध्यक्षा डॉ. आभाकृष्ण जौहरी ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से बढ़ रही हिंसा, समय का दुरुपयोग तथा अनेक प्रकार के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और कहा कि वे सोशल मीडिया के लाभों का उपयोग करके समय का सदुपयोग करें। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. की साहित्यिक समिति की प्रभारी प्राध्यापिका कविता चौधरी द्वारा किया गया।

☛ **बी. एड. (सत्रः 2017–19) के विद्यार्थियों का शैक्षिक अवलोकन कार्य :** डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वारा निर्धारित बी.एड. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में चार सप्ताह तक शैक्षिक अवलोकन का प्रावधान है। इसके अन्तर्गत महाविद्यालय में अध्ययनरत बी.एड. प्रथमवर्ष के विद्यार्थियों को बाबूलाल जैन इण्टर कॉलेज तथा धर्म समाज इण्टर कॉलेज में 31.10.2017 से 30.11.2017 तक भेजा गया। धर्मसमाज इं. कॉलेज में अवलोकन कार्य बी. एड. विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती मेघा अरोरा (प्रभारी) एवं सहप्रभारी डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय के निर्देशन में पूरा किया गया।

अवलोकन के दौरान 28 नवम्बर, 2017 को बाल सभा का आयोजन किया गया, इसमें धर्म समाज इण्टर कॉलेज के विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी। अवलोकन के अन्तिम दिन समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में धर्म समाज इण्टर कॉलेज के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

बाबूलाल जैन इण्टर कॉलेज में अवलोकन कार्य बी.एड. विभाग के प्राध्यापक श्री गिर्राज किशोर (प्रभारी) एवं सह प्रभारी श्रीमती वर्धा शर्मा, कु. अंकिता सिंह तथा श्रीमती ममता गौतम के निर्देशन में पूरा किया गया। अवलोकन के दौरान

Scanned by CamScanner

बाल सभा का आयोजन भी किया गया, जिसमें वहाँ के विद्यार्थियों ने ज्ञान वर्धक तथा मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दी। समापन कार्यक्रम में बाबू लाल जैन इण्टर कॉलिज के शिक्षक

तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

उपर्युक्त दोनों इण्टर कॉलेज में शैक्षिक अवलोकन के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने प्रवेश प्रक्रिया, समय तालिका, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर, परीक्षा कार्यक्रम, छात्रवृत्ति कार्य, एन.सी.सी. एवं स्काउट, स्थानान्तरण एवं चरित्र प्रमाण पत्र के प्रारूप, शिक्षण मूल्यांकन, अध्यापक व्यवस्थित रजिस्टर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फीस रजिस्टर आदि का गहनता से अध्ययन किया।

☛ **विजीलेन्स अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन :** 15 नवम्बर, 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में विजीलेन्स अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन इंटीग्रिटी क्लब के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में भारत पैट्रोलियम के बिजिलेन्स प्रभारी श्री एफ.आर. सिद्दीकी ने मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री प्रवीन कुमार एवं श्री आशीष कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने वक्तव्य में केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा विजीलेन्स अवेयरनेस वीक के बारे में बताते हुए कहा कि व्यक्ति में अनेक गुणों का समावेश होता है और परिवार सामाजिक जीवन का सर्वोत्तम विद्यालय है। उन्होंने चरित्र के सभी छः स्तम्भों का सिलसिलेवार वर्णन कर उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तथा भारत छोड़ो आन्दोलन के उदाहरण देकर यह सिद्ध किया कि हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए त्याग किया। उन्होंने अफ्रीका में महात्मा गांधी को उपयुक्त टिकट होने पर भी ट्रेन से उतारे जाने की घटना को लघु फिल्म द्वारा दर्शाकर यह बताया कि अपमानित होने पर भी गांधीजी ने अहिंसा नहीं छोड़ी। उन्होंने विशिष्ट मानवीय मूल्यों के बारे में बताकर राष्ट्रीय चरित्र की विस्तृत व्याख्या की और समाज में ईमानदारी तथा निष्ठा लाने के लिए लघु फिल्म दिखाई।

उन्होंने कार्यक्रम से सम्बन्धित एक क्विज प्रतियोगिता करायी, जिसमें प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर देने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने समिति द्वारा गोद लिए 14 गाँव के निवासियों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही विशेष सुविधाओं सम्बन्धी रिपोर्ट प्रस्तुत की। अन्त में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में मुख्य अतिथि को सम्बन्धित अनेक कार्यक्रम महाविद्यालय में करने के लिए आमन्त्रित किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ–साथ सभी प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

☛ **पुरातन विद्यार्थी सम्मान समारोह – 2017 :** 16 दिस., 2017 को ज्ञान महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में पुरातन विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें महाविद्यालय के लगभग 60 पूर्व विद्याथियों ने भाग लिया। पुरातन विद्यार्थियों को ज्ञान पट्टिका पहनाकर स्वागत

किया। पुरातन विद्यार्थियों ने अपने विद्यार्थी जीवन की पुरानी यादों व अनुभवों को ताजा किया। वर्तमान विद्याथियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया। पुरातन छात्र समिति की प्रभारी डॉ. सुहैल अनवर ने पुरातन विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। प्राचार्य ने पुरातन विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभवों का आदान–प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के चेयरमेन महोदय ने पुरातन विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दी। अंत में सभी को स्वल्पाहार के साथ–साथ महाविद्यालय द्वारा उपहार भेंट किए गए।

☛ **ज्ञान महोत्सव का आयोजन :** 26 दिसम्बर,

Scanned by CamScanner

2017 से 30 दिसम्बर, 2017 तक (पाँच दिवसीय) ज्ञान महोत्सव का आयोजन महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में किया गया। महोत्सव का शुभारम्भ प्रबन्धक श्री मनोज यादव व प्राचार्य के निर्देशन में हुआ। पहले दिन कवि सम्मेलन का

आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी दीशू शर्मा, ज्ञानेन्द्र, सुनहरी, तेजस, सनी, प्रिया सिंह, वैभव शर्मा, अनिकेत शर्मा, रश्मि, प्रदीप, हेमन्त, अंकित, चैतन्य, सरिता, मयूर देव, सौरभ कुमार, वसीम खान, नाजिया खानम, दीक्षा तथा दिशा वशिष्ठ ने मनमोहक कविताएँ सुनाकर सभी का मन मोह लिया। कवि सम्मेलन का संचालन हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

दूसरे दिन लोक गीत एवं नृत्य प्रस्तुति के आयोजन में बी.एड. विभाग की छात्राओं ने वाद्यों पर आधारित नृत्य "नगाड़ा संग ढोल बाजे" की सुन्दर प्रस्तुति दी। बी.टी.सी. विभाग के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, पंजाबी लोक नृत्य तथा विज्ञान के विद्यार्थियों ने कश्मीरी नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों ने राजस्थानी **'घूमर'** लोक नृत्य व कला संकाय के विद्यार्थियों ने **'गटकी'** नृत्य प्रस्तुत किया। इस लोक गीत एवं नृत्य कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना अग्रवाल तथा डॉ. संध्या सेंगर ने किया।

तीसरे दिन 'लाफ्टर एण्ड प्ले' कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में बी.एड., डी.एल.एड.,(बी.टी.सी.) तथा बी.कॉम. के विद्यार्थियों में से शालिनी सिंह चौहान, ज्योत्सना कुमारी, यश वार्ष्णेय, वैभव शर्मा, कविता शर्मा, भूपेन्द्र, पूनम, नरेश, रश्मि, निधि, तथा तुलसी द्वारा विभिन्न प्रकार की हास्य प्रस्तुतियाँ दी गयीं। बी.एड. की छात्राओं ने महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल द्वारा लिखित नाटक "तीन पड़ौसिन एक महरी" का सफल मंचन किया। बी. कॉम. के विद्यार्थियों ने "माता–पिता और संतान" नाटक का मंचन किया। इन नाटकों की प्रस्तुति प्राध्यापिका कु. कविता चौधरी, श्रीमती वर्धा शर्मा एवं डॉ. संध्या सेंगर के निर्देशन में की गयी। कार्यक्रमों का संचालन डॉ. ज्योति सिंह ने किया। अन्त में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने उपस्थित व्यक्तियों को सम्बोधित किया।

चौथे दिन अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें प्रथम राउण्ड के अन्तर्गत अक्षर के माध्यम से तराना (बी.एड.) म्यूजिकी फाइल (डी.एल.एड/बी.टी.सी.), राक स्टार (बी.कॉम.), फियोनिक्स (बी.एस–सी.), गर्ल्स बैण्ड (बी. ए.) से प्रस्तुत किया गया। द्वितीय राउण्ड शब्द से प्रारम्भ किया गया। तृतीय राउण्ड में परिस्थिति पर आधारित अन्त्याक्षरी प्रस्तुत की गयी।

चौथे राउण्ड में मोनो एक्टिंग के माध्यम से विद्यार्थियों ने उपस्थित दर्शकों को खूब गुदगुदाया। अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता में बी.एड. प्रथम, बी.एस–सी. द्वितीय, बी.ए. तृतीय, बी.कॉम. चतुर्थ व डी.एल.एड/बी.टी.सी. के विद्यार्थी पंचम स्थान पर रहे। डॉ. ज्योति सिंह व डॉ. मुक्ता ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका कु. कविता चौधरी व श्रीमती वर्धा शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के पाँचवें तथा अन्तिम दिन डी.एल.एड/बी. टी.सी. के विद्यार्थियों ने कविता पाठ, समूह नृत्य तथा हास्य प्रस्तुतियाँ दीं। बी.कॉम. के विद्यार्थियों ने हास्य प्रस्तुतियों के साथ–साथ राजस्थानी नृत्य तथा कविता पाठ की प्रस्तुतियाँ दीं। बी.एस–सी. के विद्यार्थियों ने कविता पाठ, पंजाबी डांस तथा एकल गीत प्रस्तुत किये। बी.ए. की छात्राओं ने कत्थक नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति दी। अन्तिम दिन के कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना अग्रवाल तथा डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने किया।

महोत्सव के दौरान पाँचों दिन सरस्वती वंदना तथा स्वागत गान की सरवर राराहनीय प्रस्तुति बी.एकृ की छात्रा रोली राजपूत, वंदना तौमर, श्रीमती नीलम पाल तथा कोमल शर्मा द्वारा की गयी। उपर्युक्त पाँच दिवसीय महोत्सव में महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री आर.पी. सिंह

Scanned by CamScanner

की देखरेख में सभी विद्यार्थी पूर्ण रूप से अनुशासन में रहे।

इस प्रकार सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने संयोजन एवं प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता के निर्देशन में हुए उपर्युक्त महोत्सव का समापन हुआ।

2. रोजगार संबंधी कार्यक्रम :

☛ **कैरियर काउन्सलिंग का आयोजन :** 01 सित., 2017 को इस काउन्सलिंग का आयोजन महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में एस.डी.एम. कोल (अलीगढ़) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, केनरा बैंक नानऊ के शाखा प्रबन्धक तथा अविरलधारा निःशुल्क कोचिंग सेन्टर के संस्थापक श्री अतुल सिंह और जैनिथ कोचिंग के संस्थापक डॉ. शैलेन्द्रपाल सिंह ने काउन्सलर के रूप में प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने भी प्रतिभाग किया।

डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने NET, PCS तथा संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को अपना लक्ष्य निर्धारित करके पूरे मनोयोग से परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

श्री अतुल सिंह ने S.S.C., LIC तथा बैंक की नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं की तैयारी के बारे में बताते हुए कहा कि तैयारी के दौरान विद्यार्थी को संयम तथा धैर्य से काम करना चाहिए। डॉ. शैलेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र सिंह ने किया।

☛ **इन्डस्ट्रियल विजिट का आयोजन :** 19 दिस., 2017 को ज्ञान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा

इण्डस्ट्रियल विजिट का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत आई.टी.आई. के फिटर, इलैक्ट्रीशियन व्यवसाय के प्रशिक्षार्थी विजिट पर गए, जहाँ उन्होंने देश के थर्मल पावर स्टेशनों में प्रसिद्ध हरदुआगंज थर्मल पावर स्टेशन, कासिमपुर अलीगढ़ का भ्रमण किया। वहाँ प्रशिक्षार्थियों ने जाना कि विद्युत का उत्पादन कैसे किया जाता है। विद्युत उत्पादन के लिये कोयला के साथ होने वाली प्रक्रियाओं और कोल हैण्डलिंग की प्रक्रिया को भी समझा।

प्रशिक्षार्थियों ने सीनियर इंजीनियरिंग विभाग की टीम से विद्युत उत्पादन पारेषण अनुरक्षण सम्बन्धी विभिन्न तकनीकी सवाल पूछे और अपने विजिट के अनुभव को साझा किया।

इस बारे में स्टेशन के इंजीनियर श्री मोहित गुप्ता एवं श्री धीरज सिंह ने बताया कि इस विजिट से विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा तथा विद्यार्थी अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयों से जुड़ सकेंगे। इण्डस्ट्रियल विजिट को लेकर प्रशिक्षार्थियों में बहुत उत्साह देखा गया। प्रशिक्षण संस्थान अपने इलैक्ट्रीशियन व फिटर व्यवसाय के प्रशिक्षार्थियों को गत वर्षों में भी इण्डस्ट्रियल विजिट पर भेजता रहा है।

संस्थान के प्रधानाचार्य श्री मनोज वार्ष्णेय ने सभी छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस तरह की विजिट से प्रशिक्षार्थियों को इण्डस्ट्री में होने वाले कार्य, प्रक्रिया व कार्यरत कर्मचारियों से व्यावहारिक अनुभव सीखने को मिलता है एवं ऐसे विजिट से छात्रों को वास्तविक प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त होता है। संस्थान के अनुदेशक विवेक शर्मा, मयंक सिंह, इंजीनियरिग विभाग की टीम के साथ पावर स्टेशन भ्रमण के दौरान प्रशिक्षार्थियों के साथ रहे। भ्रमण से लौटने पर प्रशिक्षार्थियों से उनके विजिट के अनुभव के बारे में जाना गया, जिसमें गौरव कुमार, दीपक कुमार, रामबाबू लाल, वेदिका वार्ष्णेय, पल्लवी सक्सैना, विमल कुमार एवं स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

3. अतिथि व्याख्यान :

☛ **जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 27 नवम्बर, 2017 को जन्तु विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। अतिथि वक्ता डॉ. शीबा डी. एस. कॉलेज अलीगढ़ में जन्तु विज्ञान विभाग की अध्यक्षा हैं।

इस व्याख्यान का मुख्य विषय "ब्लड ग्रुप इनहैरीटैन्स" रहा। व्याख्यान में उन्होंने बताया कि पूरे विश्व में अलग–अलग 20 तरह के ब्लड ग्रुप सिस्टम होते हैं, जिसमें सबसे ज्यादा ए.बी.ओ. ब्लड ग्रुप सिस्टम और आर.एच. सिस्टम पाये जाते हैं। ए.बी.ओ. ब्लड ग्रुप सिस्टम में तीन अलग–अलग एलील उपस्थिति होते हैं और आर.एच. सिस्टम में आर.एच. पॉजिटिव और आर.एच. नैगेटिव फैक्टर

Scanned by CamScanner

उपस्थित होते हैं। अपने व्याख्यान में उन्होंने आर.एच. फैक्टर से संबंधित एक खतरनाक बीमारी इरिथ्रोब्लास्टोसिस फिटैलिस के बारे में बताया।

अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी सही और क्रमबद्ध तरीके से करने के बारे में बताया। इस व्याख्यान में जन्तुविज्ञान के विद्यार्थी तथा विज्ञान संकाय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। विदुषी वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोष जनक उत्तर दिए। अन्त में प्राचार्य ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जन्तु विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. ज्योति सिंह ने किया।

☛ **वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान :** 01 दिस., 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में वाणिज्य संकाय द्वारा छात्र कल्याण समिति के तत्त्वावधान में "Role of G.S.T. for Country Development" विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। अतिथि वक्ता डॉ. हरिओम गुप्ता (एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष) जे.वी. जैन कॉलेज, सहारनपुर ने विद्यार्थियों के मध्य उक्त विषय पर अपने विचार रखे, जिसमें उन्होंने जी.एस.टी. के बारे में कहा कि एक देश एक कर के आधार पर 01 जुलाई 2017 की मध्य रात्रि से इस कर की घोषणा की गई है।

उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इसके लागू होते ही वर्तमान में इस सन्दर्भ में 17 करों का तत्काल प्रभाव से समाप्त होना देश की लिए एक वरदान है। वर्तमान सरकार की कर प्रक्रिया की यह स्वतंत्रता के बाद की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस कर में कई संशोधन होने के साथ–साथ अभी भविष्य में व्यापारिक आवश्यकताओं को देखते हुए कुछ और संशोधन होंगे तथा भविष्य में इसके पूरे फायदे जनता को प्रदान किये जायेंगे। इसी क्रम में महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने इसके अन्य व्यापारिक तथा आर्थिक लाभों के बारे में बताया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने जी.एस.टी. को और सरल करने पर जोर दिया और कहा कि भविष्य में इसे और सरल करने हेतु वर्तमान सरकार को और ध्यान देना चाहिए।

प्राचार्य जी ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया। वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापक व विद्यार्थियों ने उपस्थित रह कर इस व्याख्यान का लाभ उठाया। व्याख्यान का संयोजन संकाय प्रभारी डॉ. राजेश कुमार कुशवाहा ने किया।

4. शैक्षिक भ्रमण :

☛ **बी.एड. एवं बी.टी.सी. विभाग का शैक्षिक भ्रमण :** 27–10–2017 को बी.एड. व बी.टी.सी. के विद्यार्थी भ्रमण हेतु दिल्ली गए। शैक्षिक भ्रमण में प्राध्यापकों के साथ बी.एड. के 43 छात्र–छात्राएँ व बी.टी.सी. के 31 छात्र –छात्राएँ सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम छात्र–छात्राओं ने अक्षर धाम मन्दिर में भ्रमण किया एवं वहाँ पत्थरों की नक्काशियों के माध्यम से स्वामीनारायन के जीवन दर्शन के बारे में जानकारी प्राप्त की। अक्षरधाम मन्दिर के पुस्तकालय में छात्र–छात्राओं ने साहित्य की जानकारी ली। तदुपरान्त सभी ने सिविल सर्विसिज ऑफिसर्स इन्स्टीट्यूट (CSOI) विनय मार्ग में इण्टरनेशनल गुडविल सोसाइटी ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित जस्टिस नागेन्द्र सिंह मैमोरियल द्वितीय लैक्चर में भाग लिया, जिसमें इसरो के पूर्व अध्यक्ष, पदम विभूषण डॉ.के.

कस्तूरीरजन ने मुख्य वक्ता के रूप मे भाग लिया। बी.एड. की छात्रा कविता राजपूत ने डा.के. कस्तूरीरंजनजी से प्रश्न पूछे। डॉ. के. कस्तूरीरंजनजी ने सैटेलाइट की उपयोगिता की

Scanned by CamScanner

जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने भाग लिया।

महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने डॉ. हर्षवर्धनजी को स्मृति चिह्न भेंट किया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल एवं बी.टी.सी. के प्रवक्ता श्री रवि कुमार ने पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी डॉ. योगेन्द्र नारायन को शॉल उढाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में ज्ञान आई.टी. आई. के डायरेक्टर इं. गौतम गोयल के साथ अन्य प्राध्यापकों ने भाग लिया।

☛ **वाणिज्य संकाय का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण :** 29 नव., 2017 को वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक डॉ. राजेश कुशवाहा, डॉ. हीरेश गोयल, डॉ. समर रजा, डॉ. दुर्गेश शर्मा एवं श्री नीरज कुमार शैक्षिक भ्रमण पर कान्हा की नगरी मथुरा वृन्दावन व बरसाने गए।

वृन्दावन में बॉकेबिहारी मन्दिर, पागल बाबा मन्दिर गोवर्धन में श्री गिर्राज महाराज मन्दिर और बरसाने में राधा रानी मन्दिर देखा, इसके साथ ही विद्यार्थियों को वात्सल्य ग्राम का भ्रमण कराया गया। इन विभिन्न दर्शनीय स्थलों की प्रबन्ध व्यवस्था का आर्थिक विश्लेषण कर इसके वाणिज्यिक पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इन सभी ऐतिहासिक स्थलों के शैक्षिक, सामाजिक, धार्मिक तथा आर्थिक महत्त्व के बारे में विद्यार्थियों से मौके पर ही चर्चा की गयी। विद्यार्थियों ने इन जानकारियों के साथ-साथ उपर्युक्त सभी स्थलों पर अपना यथोचित मनोरंजन भी किया। भ्रमण के प्रभारी वाणिज्य संकाय के डॉ. राजेशकुमार कुशवाहा रहे।

☛ **विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण :** 30 नवम्बर, 2017 को विज्ञान संकाय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी एक दिवसीय भ्रमण पर मथुरा-वृन्दावन गये, वहाँ विभिन्न धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया। भ्रमण की शुरूआत श्री बाँके-बिहारी जी के मन्दिर से हुई जहाँ सभी ने दर्शन किए और विद्यार्थियों को धार्मिक महत्त्व के बारे बताया। भ्रमण में प्रेम-मन्दिर, वैष्णो देवी मन्दिर और प्रियाकान्त जू महाराज मन्दिर भी शामिल रहे। मन्दिरों में उनके धार्मिक महत्त्व के साथ-साथ वहाँ हुई नक्काशी के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया गया।

इस एक दिवसीय भ्रमण में मुख्य केन्द्र रहा साध्वी ऋतम्भरा जी का 'वात्सल्य-ग्राम' जहाँ विभिन्न वर्ग के निर्धन बच्चों के रहने, खाने के साथ-साथ उनकी शिक्षा का भी प्रबन्ध किया गया है। विज्ञान संकाय के डॉ. एच. एस. चौधरी, डॉ. सुहैल अनवर, श्री प्रवीण राजपूत, श्री वीरेन्द्र पाल सिंह, डॉ.ज्योति सिंह, श्रीमती अकलीम वसी खान, डॉ. संतोष कुमार व डॉ. नीलम सिंह इस भ्रमण में शामिल रहे। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आपसी मेल-जोल तथा धार्मिक स्थलों की महत्ता विकसित करना है।

☛ **बी.एड. विभाग का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण :** 12 दिसम्बर, 2017 को बी.एड. सत्र 2017-19 के विद्यार्थी अपने विभाग की प्रभारी डॉ. आभाकृष्ण जौहरी तथा प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत, श्रीमती वर्धा शर्मा, श्रीमती मेघा अरोरा, श्रीमती ममता गौतम, सुश्री भावना सारस्वत, डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय, सुश्री कविता चौधरी, सुश्री अंकिता सिंह तथा प्राध्यापक सर्वश्री गिर्राज किशोर, एवं के. डी. सिंह के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु मथुरा-वृन्दावन गये। वहाँ पर इन्होंने बाँके बिहारी मन्दिर, प्रेम

Scanned by CamScanner

मन्दिर, इस्कॉन मन्दिर, वैष्णो देवी मन्दिर, पागल बाबा मन्दिर, बिरला मन्दिर तथा साध्वी ऋतम्भरा देवी द्वारा संचालित वात्सल्य ग्राम आश्रम का भ्रमण किया, वहाँ अनाथ एवं परित्यक्त बच्चों की समस्याओं के विषय में चर्चा की। इसी के साथ विद्यार्थियों ने इन स्थलों के ऐतिहासिक, धार्मिक तथा शैक्षिक महत्त्व पर अपने प्राध्यापकों के साथ चर्चा की।

भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास करना एवं उन्हें इन दर्शनीय स्थलों के आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व की जानकारी देना था। भ्रमण की प्रभारी श्रीमती वर्धा शर्मा तथा सह प्रभारी मेघा अरोरा रहीं।

☛ **डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण :** हमारा महाविद्यालय शिक्षा की सहायक गतिविधियों के आयोजन में महत्त्व पूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे न केवल नए अनभुव विद्यार्थियों को मिलते हैं वरन् समाज और उसकी रीतियों से भी प्रत्यक्ष रूप से रूबरू होते हैं। इसी क्रम में डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) के प्रशिक्षु 14 दिसम्बर, 2017 को मथुरा वृदावन गए।

यहाँ पर उन्होंने बाँके बिहारी मन्दिर, इस्कान मन्दिर, प्रेम मन्दिर, लोटस मन्दिर, श्री कृष्ण जन्मभूमि, पागल बाबा

मन्दिर और वात्सल्य ग्राम में साध्वी ऋृतम्भरा जी के आश्रम का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं में उत्साह देखने को मिला। स्थलों के भ्रमण पर उनको भारतीय संस्कृति व धरोहरों के बारे में जानने का मौका मिला। धरोहरों के इतिहास को भी छात्र–छात्राओं ने बारीकी से जाना। वात्सल्य ग्राम में अनाथ बच्चों से जानकारी की। बच्चों की आयु 4 वर्ष 14 वर्ष तक थी। वात्सल्य ग्राम में बच्चों के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए प्रशिक्षुओं ने अपनेपन का एहसास किया। शैक्षिक भ्रमण के प्रभारी प्राध्यापक श्री रवि कुमार रहे। श्रीमती शोभा सारस्वत व प्राध्यापक श्री कुलदीप सिंह ने भी भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन किया।

☛ **महाविद्यालय के प्राध्यापकगण संसद भवन गए :** 18 दिस., 2017 को महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने संसद भवन पहुँचकर लोकसभा की कार्यवाही का सूक्ष्म अवलोकन किया। अवलोकन के बाद अलीगढ के सांसद श्री सतीश गौतम ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों की गृहमंत्री माननीय राजनाथ सिंह, उ.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष श्री राजबब्बर एवं बुलन्दशहर के सांसद श्री भोला सिंह से भेंट करायी।

संसद भवन के प्रांगण में प्राध्यापकों ने अलीगढ के सांसद के साथ अनेक फोटो खिंचवाए।

5. विभिन्न दिवसों का आयोजन :

☛ **शिक्षक दिवस :** 05 सित., 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक व विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। डॉ. आभा कृष्ण जौहरी ने सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्राध्यापकों में से श्री राजेन्द्र पाल सिंह (मुख्य अनुशासन अधिकारी), श्री लखमी चन्द्र, श्री गिर्राज किशोर, डॉ. संध्या सेंगर व डॉ. ज्योति सिंह ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों में से श्री लखवीर सिंह (लक्खा), कविता राजपूत, विष्णुशर्मा, रेनु शर्मा, मोनिका सिंह, दिशा व नाजिया आदि ने भी समाज में शिक्षक व विद्यार्थियों की भूमिका के संबंध में अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए।

उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने शिक्षक के कर्तव्यों के बारे में सारगर्भित व्याख्यान दिया। प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक का कार्य विद्यार्थी को ज्ञान देने के साथ–साथ उसका शारीरिक तथा मानसिक विकास करना भी है।

☛ **महाविद्यालय में संस्थापक दिवस समारोह का आयोजन :** 11 सितम्बर, 2017 को ज्ञान महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल का जन्म दिन संस्थापक दिवस के रूप में हर्षोल्लास से मनाया

Scanned by CamScanner

गया। इस समारोह में डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अरविन्द कुमार दीक्षित ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद तथा सदस्य श्री अवि प्रकाश मित्तल व श्री इंद्रेश कौशिक ने भी समारोह में भाग लिया। इनके साथ–साथ संत रामकृष्ण कन्या महाविद्यालय आगरा के सचिव श्री मनमोहन चावला, मथुरा के उद्योगपति श्री वीरेन्द्र गोयल, श्रीपाल शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवी श्री चन्द्रशेखर जी, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, वीरांगना अवंतीबाई राजकीय महाविद्यालय अतरौली (अलीगढ़) की प्राचार्या डॉ. शशि कपूर, के.के. आई. टी.आई. अलीगढ़ के प्रबन्धक श्री किशोर कुमार वार्ष्णेय ने पूरे समारोह में उपस्थित रह कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

संस्थापक महोदय के परिजनों में से श्रीमती आशादेवी (अध्यक्षा), श्री दीपक गोयल (चेयरमेन), श्री चाँद गोयल आई. ए.एस. पूर्व प्रमुख सचिव महाराष्ट्र सरकार, डॉ. गौतम गोयल, निदेशक ज्ञान आई.टी.आई. तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रितिका गोयल ने उपस्थित रहकर अपने पूर्वज संस्थापक महोदय के कार्यों से प्रेरणा लेकर महाविद्यालय को शिखर पर पहुँचाने का संकल्प लिया। महाविद्यालय के अनेक पूर्व प्राध्यापक व ज्ञान आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य, प्राध्यापक व छात्र भी उपस्थित रहे। महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने भी उपस्थित रहकर समारोह में चार चाँद लगाए।

कार्यक्रम के विधिवत श्रीगणेश के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिए जा रहे भाषण का सीधा प्रसारण उपस्थित लोगों द्वारा देखा गया। अतिथियों के स्वागत के उपरान्त बी.एड. के विद्यार्थियों ने माँ काली का नृत्य–घघन–घघन घन घण्टा बाजे तथा आई.टी. आई. के विद्यार्थियों ने देशभक्ति समूह नृत्य "माँ तुझे सलाम" प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने संस्थापक महोदय का परिचय दिया। उप प्राचार्य ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया।

डॉ. विवेक मिश्रा ने महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति द्वारा अब तक किए गए कार्यों का उल्लेख किया।

कुलपति महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि ज्ञान महाविद्यालय के संस्थापक महोदय का जीवन समाज को समर्पित था। उन्होंने ग्रामीण बच्चों की पढ़ाई के लिए इस महाविद्यालय की स्थापना की। कुलपति महोदय ने संस्थापक महोदय के परिजनों की भी सराहना की। कुलपति महोदय ने बताया कि वे आगरा विश्वविद्यालय के खोये हुए गौरव को पुनः लाने के लिए प्रयत्नशील हैं। उन्होंने अपने कार्यक्रमों को विद्यार्थी केन्द्रित बनाने पर जोर दिया। महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ज्ञान विज्ञान तथा ज्ञान अर्थ का विमोचन मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों ने किया। इसके बाद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार के देशभक्ति पूर्ण गीत एवं सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लागों का मन मोह लिया। महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथियों ने ज्ञान आई. टी.आई. के कौशल विकास केन्द्र के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए। इसके बाद सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। महाविद्यालय के

प्रबंधक श्री मनोज यादव पूरे समारोह में उपस्थित रहे। समारोह में प्रस्तुत किए गए सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन संगीत की प्राध्यापिका डॉ. मुक्ता वार्ष्णेय ने प्राध्यापिका शिवानी सारस्वत के सहयोग से किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्रकुमार सिंह एवं श्रीमती वर्धा शर्मा ने किया। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने एक साथ भोजन का आनन्द लिया। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन बनाने में मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री आर.पी. सिंह एवं उनकी टीम के सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

☛ **हिन्दी दिवस :** 14 सितम्बर, 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अलीगढ़ के प्रख्यात कवि श्री हरीश बेताब ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कवि श्री ओउम वार्ष्णेय तथा श्री वतन शहजादा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। बी.एड. की छात्रा प्रिया सिंह ने संविधान में दर्ज भारतीय भाषाओं का

Scanned by CamScanner

उल्लेख करते हुए हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला। बी.टी. सी. के छात्र विवेककुमार ने हिन्दी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। डॉ. विवेकमिश्रा ने हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया। मुख्य अतिथि श्री हरीश बेताव ने हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार पर बल देते हुए भारतीय सेना संबंधी वीर रस की कविता सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। श्री ओउम वार्ष्णेय ने हिन्दी भाषा में 11 स्वर, 01 अनुस्वार तथा 01 विसर्ग (अः) का उल्लेख करते हुए मातृभाषा तथा राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी के महत्व की चर्चा की।

श्री वतन शहजादा ने वीररस व हास्यरस की कविताएँ सुनाकर सभी को गदगद किया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य ने भी शिक्षाप्रद कविता सुनायी। डॉ. आभाकृष्ण जौहरी ने बोलचाल में हिन्दी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। अन्त में प्राचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीना अग्रवाल ने किया।

☛ **गांधी एवं शास्त्री जयन्ती का आयोजन :** 2 अक्टू. 2017 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के अन्तर्गत गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में स्वच्छ भारत मिशन के कार्य कर इस अभियान को सफल बनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वेच्छासेवियों ने महाविद्यालय के प्रांगण में घास छीलकर व झाड़ू लगाकर साफ सफाई की। रा.से.यो. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र सिंह ने स्वेच्छा–सेवियों को टोलियों में विभाजित किया और साफ सफाई के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वेच्छासेवी नाजिया खानम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गांधीजी ने समाज को अहिंसा का पाठ पठाया और सभी को अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेकमिश्रा ने कहा कि महात्मागांधी ने आजादी का आन्दोलन ही नहीं चलाया बल्कि उन्होंने स्वच्छता आन्दोलन भी चलाया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि हमें देश में स्वच्छता क्रान्ति लानी है, क्योंकि स्वच्छता रखेंगे तो स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने महात्मा गांधी व श्री लालबहादुर शास्त्री के बताए मार्गों पर चलने हेतु स्वेच्छासेवियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

6. एन.एस.एस. व सामाजिक सरोकार समिति संबंधी कार्यक्रम :

☛ **वन संरक्षण पर आयोजित गोष्ठी में सहभाग :** 07 अक्टूबर, 2017 को निकटवर्ती गाँव मुकन्दपुर स्थित वन चेतना केन्द्र में वन संरक्षण सप्ताह के अन्तर्गत गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता पर्यावरणविद् श्री सुबोधनन्दन शर्मा ने की। अलीगढ़ जिले के वन क्षेत्राधिकारी श्री अशोक कुमार निवेश ने गोष्ठी का संयोजन किया। हमारे महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता, एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह, प्राध्यापक डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. (श्रीमती) संध्या सेंगर व श्री प्रवीन सिंह के साथ एन.एस.एस. के अनेक स्वेच्छासेवियों ने गोष्ठी में प्रतिभाग किया।

पर्यावरणविद् श्री सुबोध नन्दन शर्मा ने कहा कि आधुनिक संस्कृति में पले–बढ़े बच्चे पेड़–पौधों के नाम तक नहीं जानते लेकिन वे पौधों के संरक्षण में भागीदारी करते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे आम, अमरूद व जामुन आदि के पेड़–पौधों को पहचानते हैं। वन क्षेत्र अधिकारी श्री अशोक कुमार 'निवेश' ने कहा कि वन संरक्षण के अन्तर्गत हमें गंगा तथा यमुना को प्रदूषण से मुक्त करना है: साथ ही पेड–पौधों तथा जीव–जन्तुओं की भी उचित देखभाल करनी है। पेड़–पौधों तथा जीव–जन्तुओं की सुरक्षा एक दूसरे की पूरक है। अर्थात जब पेड़–पौधे सुरक्षित रहेंगे तो जीव–जन्तु भी सुरक्षित रहेंगे।

महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने वनों की रक्षा के लिए गाँवों में पेड़–पौधे लगाने पर बल दिया। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने वन चेतना केन्द्र में एन.एस.एस. का सात दिवसीय विशेष शिविर लगाकर केन्द्र की स्वच्छ रखने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

Scanned by CamScanner

☛ **ज्ञान ज्योति कार्यक्रम :** ज्ञान सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत दीपावली के शुभ अवसर पर ज्ञान ज्योति कार्यक्रम 16 अक्टूबर 2017 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुश्री प्रतिभा वर्मा, बी.डी.ओ. लोधा ब्लाक, अलीगढ़ व ज्ञान महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी ने दीपदान के लिए विद्यार्थियों को सामग्री वितरित की।

मुख्य अतिथि ने आतिशबाजी का बहिष्कार करने को कहा तथा साथ ही साथ यह सन्देश भी दिया कि इस वर्ष आप सभी दीपावली पर एक पेड़ लगाकर उसकी देखभाल अवश्य करें। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहली बार मुझे देखने को मिला कि ज्ञान महाविद्यालय ने गोद लिए गए 14 गाँवों के सरकारी भवनों पर दिये जलाने का संकल्प लिया है।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने किया। महाविद्यालय के चेयरमेन, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने मिलकर गोद लिये गये 14 गाँवों के ग्राम प्रधानों व छात्रों के सहयोग से ज्ञान ज्योति कार्यक्रम में दीपावली हेतु दीया, तेल व बाती भेंट की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी लोगों ने चाइना लाइट व आतिशबाजी के बहिष्कार का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने दीपावली की शाम गोद लिए गाँवों के गरीबों के घर, सरकारी स्कूलों, सरकारी भवनों व पंचायत घर में दीप प्रज्वलित कर ज्ञान ज्योति कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

☛ **रक्तदान शिविर :** 21 नव., 2017 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने स्वराज्य सभागार में रक्तदान शिविर एवं गोष्ठी का आयोजन किया। स्थानीय मलखान सिंह जिला चिकित्सालय के डॉ. अनुराग राजवंशी के नेतृत्व में उनकी टीम ने महाविद्यालय के 60 शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों तथा विद्यार्थियों से एक-एक यूनिट रक्त लिया। इन सभी ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

रक्तदान के बाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। सभी रक्तदाताओं को महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता तथा डॉ. अनुराग राजवंशी ने सम्मानित किया। प्राचार्य जी ने अपने संबोधन में कहा कि

"रक्तदान एक यज्ञ है, मानवता के नाम,
आहुति अनमोल है, लगे न कोई दाम।"

उन्होंने रक्त दाताओं का उत्साह वर्धन किया। मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग राजवंशी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा और कोई दान नहीं है। उन्होंने रक्तदान से संबंधित भ्रामक बातों का उदाहरण सहित खण्डन करके रक्तदान के लाभ बताये। चेयरमैन महोदय ने कहा कि एक यूनिट रक्त से चार लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी रक्त दाताओं को बधाई दी।

कार्यक्रम का संयोजन एन. एस. एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया। रक्तदाताओं को प्ररित करने एवं शिविर के आयोजन में विभिन्न संकायों के प्राध्यापकों का सहयोग सराहनीय रहा।

☛ **मतदाता जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला :** 25 नवम्बर, 2017 को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत महाविद्यालय खेल प्रांगण में सभी संकायों के शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग तथा विद्यार्थियों की मानव श्रृंखला बनवाकर उन्हें नगर निगम, नगर पालिका परिषद तथा नगर पंचायत के चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने विद्यार्थियों को मतदान करने की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम का संयोजन एन. एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

☛ **सिलाई मशीन भेंट की :** 25 नव., 2017 को महाविद्यालय की स्वराज्य स्वावलम्बी योजना के अन्तर्गत गाँव-बढ़ौली फतेह खाँ निवासी बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा विमलेश कुमारी पुत्री श्री कन्हैयालाल को उसके विवाह पर

Scanned by CamScanner

प्राचार्य ने एक सिलाई मशीन योजना के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा एवं अनेक प्राध्यापकों की उपस्थिति में भेंट की।

इसी क्रम में ज्ञान आई.टी.आई. में सेवारत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री श्रीनिवास शर्मा की पुत्री के विवाह के अवसर पर भी 4 दिसम्बर, 2017 को एक सिलाई मशीन भेंट की गई।

☛ **'पहल' कार्यक्रम में गर्म कपड़ों का वितरण :** ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के **'पहल'** कार्यक्रम के अन्तर्गत 10.11.2017 से 30.11.2017 तक महाविद्यालय के विद्यार्थी, प्राध्यापक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों द्वारा उपयोगी पुराने गर्म कपड़े एकत्र कर गोद लिये गाँवों के निकट भट्टों पर काम करने वाले मजदूरों को 2 दिसम्बर, 2017 को वितरित किए गए। इस वितरण कार्यक्रम में प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ.दुर्गेश शर्मा, श्री प्रवीन कुमार, श्री रामबाबू व विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

☛ **एन.एस.एस. का एक दिवसीय शिविर :** 15 दिस., 2017 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्राम बढौली फतेह खाँ में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न टोलियों में बाँटा गया और राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्त्व के बारे में

विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को एन.एस.एस. के बारे में विस्तृत रूप से समझाया और गाँव में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली में विद्यार्थियों ने स्लोगन लिखी पट्टिकायें जैसे 'स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, वृक्षों को धरती से सजाना है, धरती को हरा –भरा बनाना है, जल ही जीवन है, पेड़ लगाओ, प्रदूषण से बचाओ' आदि नारे लिखकर समाज को जागरूक किया।

महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने भी स्वेच्छासेवियों को एन.एस.एस. के उद्देश्य और उनको अपने जीवन में ढालने के लिये प्रेरित किया। वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉ. आर.के. कुशवाहा ने भी एन.एस.एस. के लिये जागरूकता की। कला संकाय के डॉ. सोमवीर सिंह ने बताया कि छात्र–छात्राओं को रचनात्मक कार्यों से जोड़ने के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना महत्त्वपूर्ण है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्र–छात्रओं ने कविता व देशभक्ति के गीत सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया और पूरे कार्यक्रम में डॉ. संध्या सेंगर भी उपस्थित रही।

☛ **गोद लिए 14 गाँवों के जरूरतमंद लोगों को कम्बल भेंट :** 22 दिस., 2017 को हमारे महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये निकटवर्ती 14 गाँवों के जरूरतमंद व्यक्तियों को एक–एक कम्बल स्वराज्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। प्रत्येक गाँव से 5–5 जरूरतमंद व्यक्तियों का चयन संबंधित ग्राम प्रधान एवं हमारे महाविद्यालय में अध्ययनरत उन गाँवों के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से किया। डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एस.डी.एम. (कोल) ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि तथा महाविद्यालय के चेयरमैन श्री दीपक गोयल ने लाभार्थियों को कम्बल दिए। लाभार्थियों के साथ उनके गाँव के प्रधान भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि सभी ग्राम प्रधानों को सरकारी योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी से अपने गाँवों के लोगों को जागरूक कर उनको लाभान्वित कराना चाहिए। प्राचार्य ने महाविद्यालय की प्रगति के बारे में बताया। प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने समिति के उद्देश्य तथा कार्यों के बारे में बताया। चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने कहा कि सभी ग्राम प्रधान सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ अपने–अपने गाँव के पात्र लाभार्थियों को दिलवाएँ, इससे निकट भविष्य में सभी ग्रामीणों की गरीबी दूर हो जायेगी। चेयरमैन महोदय ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने किया।

Scanned by CamScanner